श्री देवकीनंदन नारायण : क्या माननीय मंत्री महोदय यह बतलाने की कृपा करेंगे कि फर्टिलाइजर्स में काफी एडल्ट्रेशन होता है तो उसे रोकने के लिए सरकार की ओर से क्या कोशिश की जा रही है ?

श्री बी० आर० भगत : उसकी भी रोकथाम करने की कोशिश की जा रही है ।

खाली सरकारी इमारतें

*३५४. **श्री विमलकुमार मन्नालालजी चोरड़िया :** क्या निर्माण, तथा आवास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) १ अप्रैल, १९६४ को दिल्ली के किस-किस क्षेत्र में कितनी कितनी सरकारी इमारतें खाली पड़ी हुई थीं; और

(ख) उपरोक्त भाग (क) में उल्लिखित इमारतें कब से खाली पड़ी हैं और इसके क्या क्या कारण हैं ?

†[VACANT GOVERNMENT BUILDINGS

*354. SHRI V. M. CHORDIA: Will the Minister of WORKS AND HOUSING be pleased to state:

(a) the areas in Delhi where Government buildings were lying vacant on 1st April, 1964 and the number of such buildings in each of these areas; and

(b) since when the buildings mentioned in part (a) above are lying vacant and what are the reasons therefor?]

निर्माण तथा आवास मंत्री (श्री मेहर चन्द खन्ना) : (क) पहली अप्रैल, १९६४ को दिल्ली में तकरीबन कुल ३५,६०० सरकारी इमारतों में से नीचे लिखी गयी महज २२३ इमारतें मुखतलिफ इलाकों में खाली पड़ी थीं ।

(ख) ये क्वार्टर मुखतलिफ तारीखों से खाली पड़े हैं । इनमें से मिन्टो रोड और डी० आई० ज़ैड० एरिया के ज्यादातर क्वार्टर इसलिए खाली पड़े हैं क्योंकि वे खतरनाक करार दिये जा चुके हैं । दूसरे एरिया में क्वार्टर, मरम्मत, एक मंजिल से दो मंजिल में तबदील करने, छतों को बदलने और फ़र्शों को बदलने वगैरा की वजह से खाली हैं ।

†[THE MINISTER OF WORKS AND HOUSING (SHRI MEHR CHAND KHANNA): (a) Out of a total of about 35,600 Government buildings in Delhi, only about 223 buildings were lying vacant in different areas on the 1st April 1964.

(b) These quarters are vacant from different dates. Most of the quarters in the Minto Road and the D.I.Z. areas are vacant as they have been declared dangerous and unfit for occupation. Quarters in other areas have been lying vacant for carrying out repairs, conversion of single storey buildings into double storey, re-roofing and re-flooring etc.]

श्री विमलकुमार मन्नालालजी चोरड़िया : क्या श्रीमान यह बतलायेंगे कि विभाग ने कोई ऐसी योजना बनाई है अथवा नहीं—नया निर्माण जो चल रहा है सो चल ही रहा है—कि जो पुराने मकान हैं और जो दुरुस्ती के काबिल हैं, जैसे कि फर्श वगैरह को ठीक करा कर काम में आ सकते हैं, उनके लिए प्रापरिटी बेसिस पर कुछ तय करके उनको ठीक करायें ताकि लोगों को उनमें बसाने की व्यवस्था की जा सके ? तो क्या इसको आप प्रायरिटी निश्चित करके करायेंगे ?

† [ ] English translation.

श्री मेहर चन्द खन्ना : ये क्वार्टर तो तमाम दिल्ली में है, पुरानी और नई दिल्ली में जहां ३५ या ३६ हजार है वहां दो सौ या सवा दो सौ क्वार्टर खाली पड़े है । कुछ खतरनाक हैं और जैसा कि पिछले दिनों में मैंने अर्ज किया है कि मिटा रोड एरिया में जो हैं उनको गिरा रहे है और फिर उनकी जगह पांच मकान बनेंगे । वाजे ऐसे भी है जिनकी मरम्मत होती है, उनमें शायद एम० पी० का मकान भी हो, तो तमाम चीजें इसमें शामिल हैं ।

श्री के० सी० बघेल : इन २२३ क्वार्टरों में बहुत से ऐसे हैं जो कि खतरनाक नही है तो इनमें से जो खतरनाक नही है उनको जल्दी से जल्दी सुधारने की व्यवस्था कब तक की जायेगी ? जो २२३ की संख्या आपने बताई है उसके लिये आपने कहा है कि ज्यादातर उनमें डैंजरस हैं लेकिन जो डैंजरस नही हैं, जिनको साधारण रिपेयर्स के बाद अच्छा बना सकते हैं उनके लिए ऐसा कब तक करेंगे ?

श्री मेहर चन्द खन्ना : उनकी तादाद तो थोड़ी है, १४० या १४२ के करीब खतरनाक हैं और बाकी जो है उनकी मरम्मत हो रही है और जो खतरनाक हैं उनको गिरा कर हम नया बना रहे हैं ।

श्री विमलकुमार मन्नालालजी चोरड़िया : क्या श्रीमान यह बतलायेंगे कि ये जो कई मिटो रोड मे हैं—कम से कम जब मैं उस क्षेत्र में गया हूं तब से देख रहा हूं कि वे खाली पड़े हैं—ये जो दो तीन वर्षों से खाली पड़े हैं, उनको न आप गिरा रहे हैं, उनको न आप बना रहे हैं, तो ऐसी स्थिति में यह जो अधर में लटकाने की स्थिति है यह कब तक रहेगी । उन्होंने यह भी घेर रखी है । आप क्यों नहीं ऐसा करते कि उसका शीघ्र निर्णय हो सके । इसके बारे मे प्लान बना है अथवा नहीं और अगर प्लान बना है तो कब तक उनको गिरा कर नये मकान बनवा रहे हैं ?

श्री मेहर चन्द खन्ना : गिराने के बारे में पोजीशन यह है कि एक मकान खतरनाक है तो दूसरा ठीक है और तीसरा अच्छा है । खतरनाक मकान को गिराते हैं तो दूसरे की छत भी गिरती है । दूसरी बात यह है कि जब तक तमाम एरिया को खाली न करा लें हम उस एरिया को बना नही सकते और खाली कराने के लिए जरूरी बात यह है कि जो कर्मचारी वहा रह रहे है उनको मकान देना पड़ता है । तो मैं माननीय सदस्य को यकीन दिलाना चाहता हूं कि मेरी बड़ी कोशिश है कि इनको जल्दी गिरा कर नये बनाए जायें । स्कीम सैंक्शन हो चुकी है और हम जल्दी ही काम शुरू करने वाले हैं ।

श्री गिरिराज किशोर कपूर : क्या मंत्री महोदय यह बतायेंगे कि जो ऐसे मकान जो गिराने के काबिल नही हैं और जो रिपेयर करने के काबिल हैं उनमें से कितने मकानों में रिपेयरिंग हो रही है और वे मकान कब तक ठीक हो जायेंगे ?

श्री मेहर चन्द खन्ना : बहुत जल्द ठीक हो जायेंगे और उनकी तादाद बहुत थोड़ी है ।

श्री गिरिराज किशोर कपूर : मैंने कहा कितनों मे रिपेयर हो ही है ।

MR. CHAIRMAN: No, no Mr. Chordia.

श्री विमलकुमार मन्नालालजी चोरड़िया : क्या श्रीमान् यह बताएंगे—जैसा कि मैंने पहले भी पूछा था कि कोटला रोड पर जो मकान हैं जिसके बारे मे आपके विभाग के लोग कहते थे कि वे मकान रहने के काबिल नही हैं तो उन मकानों से पहले तो कर्मचारियों को वहां से हटा दिया और बाद में वही मकान मेडीकल वालों को रहने के लिये दे दिये